सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की मासिक पत्रिका

CCL
Fuelling Sustainable Growth

अपनी बात

अंक : 603 वर्ष 45 राँची, अप्रैल, 2024

वित्त वर्ष 23–24 में सीसीएल ने 86.1 एमटी कोयले का किया उत्पादन

सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में निर्धारित वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन को प्राप्त करते हुए 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। इसी तरह, कंपनी ने डिस्पैच और ओवर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) में भी क्रमशः 82.8 एमटी और 121.4 एमक्यूएम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

बिजली संयंत्रों को सीसीएल का प्रेषण में 67 मिलियन टन के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए 69.1 मिलियन टन तक पहुंच गया। प्रेषण में 7% की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी का पूंजीगत व्यय 50% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2314 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए लगभग 3641 करोड़ रुपये हुआ।

कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के भविष्यवादी दृष्टिकोण से प्रेरित तथा कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री पी.एम. प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन और डॉ. बी. वीरा रेड्डी, सीएमडी, सीसीएल के नेतृत्व और झारखंड सरकार और हितधारकों, विशेष रूप से ग्रामीणों और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के सक्रिय समर्थन से, कंपनी ने राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कंपनी के सभी निदेशकों – श्री हर्ष नाथ मिश्र, श्री पवन मिश्रा, श्री हरीश दुहान, श्री सतीश झा और सीवीओ, सीसीएल श्री पंकज कुमार ने इस उपलब्धि के लिए सीएमडी, सीसीएल को बधाई दी। सीसीएल के तत्कालीन सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी सहित सभी निदेशकों ने इस लक्ष्य को हासिल करने तथा अच्छा प्रदर्शन और योगदान के लिए सीसीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को बधाई दी।

सीएमडी, सीसीएल ने कहा कि कंपनी सतत् खनन कर राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सेंट्रल कोलफील्डस लिमिटेड के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया

सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) से चयनोपरांत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और कोल इंडिया लिमिटेड के आदेशों के आलोक में श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने दिनांक 30.04.2024 को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

इस कार्यभार से पूर्व, श्री सिंह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) पद पर कार्यरत थे। श्री सिंह ने वर्ष 1989 में आईआईटी–आईएसएम, धनबाद से खनन इंजीनियरिंग (बी.टेक) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1994 में प्रथम श्रेणी खान प्रबंधक प्रमाणन प्राप्त किया।

अपने शिक्षण के उपरांत वर्ष 1989 में कोल इंडिया लिमिटेड के अनुषंगी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड से अपने करियर की शुरुआत की। श्री सिंह ने 2011 तक सीसीएल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस दौरान वे पिपरवार, अशोका, उरीमारी और कल्याणी इत्यादि परियोजनाओं में खान प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएँ दी। इसके बाद, जनवरी, 2012 में उनकी पदस्थापना एसइसीएल में हुई। जहाँ उन्होंने गेवरा में खान प्रबंधक, दीपका और छाल परियोजना में उप क्षेत्र प्रबंधक (एजेंट) और एसईसीएल के दीपका क्षेत्र, कोरबा क्षेत्र और रायगढ़ क्षेत्र में महाप्रबंधक के रूप में अपना योगदान दिया ।

श्री सिंह के पास मेगा ओपन कास्ट खदानों में काम करने, एफएमसी परियोजनाओं के संचालन, साइडिंग शुरू करने, नई खनन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उच्चतम क्षमता वाले एचईएमएम के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है। श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने खनन तकनीकों में अनुभव प्राप्त करने के लिए 1997 में ऑस्ट्रेलिया का भी दौरा किया है। उन्हें खेल और पेंटिंग में गहरी रुचि है। उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर वॉलीबॉल का प्रतिनिधित्व किया है।

कोयला उद्योग में तीन दशकों से अधिक के विशाल अनुभव के धनी, श्री सिंह विभिन्न नई खनन पद्धतियों की शुरूआत करने में और कंपनी के कामकाज में सुधार लाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसके साथ–साथ विभिन्न श्रमसंगठनों व कंपनी के हितधारकों को साथ लेकर कार्य करने का उन्हें कोयला उद्योग में विविध और दीर्घकालीन अनुभव प्राप्त है ।

कोयला उद्योग में श्री सिंह के तीन दशकों से अधिक के अनुभव से टीम सीसीएल को लाभ मिलेगा। इनके कुशल नेतृत्व में कंपनी निश्चित रूप से निर्धारित लक्ष्य को हासिल करेगी। उल्लेखनीय रूप से सीसीएल ने वित्त वर्ष 23–24 में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और प्रेषण हासिल करके प्रदर्शन में नए रिकॉर्ड बनाया हैं।

सतत् विकास की कहानी बयां करता आम्रपाली एवं चन्द्रगुप्त क्षेत्र

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, महारत्न कम्पनी कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। झारखंड स्थित इस कंपनी का मुख्यालय राँची में है। वर्तमान में यह कंपनी झारखंड राज्य के आठ जिलों में खनन गतिविधियाँ कर रही है। कंपनी की स्थापना 1975 में हुई थी और इसे वर्ष 2007 में श्रेणी–1 में एक 'मिनीरत्न कंपनी' का दर्जा प्राप्त हुआ। सीसीएल झारखंड राज्य के आठ जिलों में अपनी सामाजिक जिम्मेवारी का पालन करते हुए राज्य के विकास में अपनी भागीदारी निभा रहा है जिनमें राँची, रामगढ़, चतरा, लातेहार, पलामू, गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो में सफलतापूवर्क संचालित है।

राज्य के खजाने में सबसे अधिक योगदान देने वालों में से सीसीएल एक है और झारखंड राज्य में सबसे बड़े नियोक्ताओं में भी एक है। सीसीएल का देश के कोयला उत्पादन में बहुमूल्य योगदान है। वर्तमान में सीसीएल में 36 खदानें हैं – जिनमें 3 भूमिगत एवं 33 खुली खदानें, 5 वाशरियाँ जिनमें 4 कोकिंग (कथारा, रजरप्पा, केदला एवं स्वांग) और 1 नॉन–कोकिंग (पिपरवार) संचालित हो रही हैं। सीसीएल के 7 कोलफील्ड्स (पूर्वी बोकारो, पश्चिमी बोकारो, उत्तरी कर्णपुरा, दक्षिणी कर्णपुरा, रामगढ़, गिरिडीह और हुटार) हैं।

खदान से बाजार तक सर्वोत्तम प्रक्रिया के माध्यम से देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के साथ–साथ पर्यावरण एवं सामाजिक रूप से स्थाई विकास को प्राप्त करते हुए प्राथमिक ऊर्जा क्षेत्र में राष्ट्रीय अग्रणी के रूप में उभरने का संकल्प लिए सीसीएल का उद्देश्य सुरक्षा, संरक्षण और गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए प्रभावकारी ढंग से मितव्ययितापूर्वक सुनियोजित मात्रा में कोयला तथा कोयला उत्पाद का सुनियोजित मात्रा में उत्पादन और विपणन करना है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के कई अन्य प्रमुख उद्देश्य भी हैं, जिनमें कुछ निम्नलिखित है

1. संसाधनों की उत्पादकता में सुधार करके आंतरिक संसाधनों के उत्पादन को अनुकूलित करना, बर्बादी को रोकना और निवेश की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बाहरी संसाधन जुटाना।
2. सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखना और कोयले के दुर्घटना–मुक्त खनन के लिए प्रयास करना।
3. वनीकरण, पर्यावरण की सुरक्षा और प्रदूषण के नियंत्रण पर जोर देना।
4. भविष्य में कोयले की मांग को पूरा करने के लिए नई परियोजनाओं की विस्तृत खोज और योजना बनाना।
5. मौजूदा खदानों का आधुनिकीकरण करना।
6. कोयला खनन के साथ–साथ कोयला लाभकारी की तकनीकी जानकारी और संगठनात्मक क्षमता विकसित करना और जहाँ भी आवश्यक हो, कोयले के अधिक से अधिक निष्कर्षण के लिए वैज्ञानिक अन्वेषण से संबंधित अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विकास कार्य करना।
7. कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और बड़े पैमाने पर समाज और विशेष रूप से कोयला क्षेत्रों के आसपास के समुदाय के प्रति कॉर्पोरेट दायित्वों का निर्वहन करना।
8. संचालन को चलाने के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल जनशक्ति प्रदान करना और कौशल उन्नयन के लिए तकनीकी और प्रबंधकीय प्रशिक्षण प्रदान करना।
9. उपभोक्ता संतुष्टि में सुधार करना, इत्यादि।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड देश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति हेतु कृतसंकल्पित है। ऊर्जा क्षेत्र में कोयले की मांग को पूरा करने में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

इसी कड़ी में झारखंड राज्य के चतरा जिले में स्थित आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का एक प्रमुख कोयला खनन क्षेत्र है। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल की बहुत ही महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी क्षेत्र है। इसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएँ हैं। इसमें चन्द्रगुप्त परियोजना का परिचालन शुरू होना अभी बाकी है।

वित्त वर्ष 2023–24 में इस क्षेत्र ने 22.58 मिलियन टन का कोयला उत्पादन कर सीसीएल को अपने निर्धारित लक्ष्य को पार करने में बहुमूल्य योगदान दिया है। साथ ही, 28.58 मिलियन क्यूबिक मीटर का ओवरबर्डन रिमूवल और 21.67 मिलियन टन कोयले का प्रेषण भी किया है। ज्ञातव्य हो कि सीसीएल झारखण्ड राज्य सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व का योगदान देती है। यह क्षेत्र राज्य और देश के ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 MT कोयले का का भंडार है, वहीं दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 MT कोयले का भंडार है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए, परियोजना का लक्ष्य 24 मिलियन टन का कोयला उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करना है।

आम्रपाली–चंद्रगुप्त ओपनकास्ट परियोजना शॉवेल एवं डम्पर संयोजन के माध्यम से सरफेस माइनर (ब्लास्टिंग फ्री तकनीक) एवं अन्य आधुनिक मशीनों का उपयोग करके पर्यावरण–अनुकूल खनन कर रहा है। यह परियोजना न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करते हुए अधिकतम कोयला उत्पादन करने में सफल रही है।

यह क्षेत्र अपनी परिचालन उपलब्धियों के अलावा, कमान क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण इत्यादि लोक कल्याणकारी पहल से क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

स्वास्थ्य : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने टंडवा ब्लॉक, चतरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किया है, जो गंभीर मरीजों के इलाज में काफी मददगार है। साथ ही, नियमित रूप से विभिन्न स्थानों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उठा रहे है। क्षेत्र के ये गतिविधियाँ सामुदायिक विकास और कल्याण के लिए परियोजना के समर्पण को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, टंडवा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (टीएडीपी) के हिस्से के रूप में सदर अस्पताल, चतरा में आईसीयू बेड स्थापित किए गए हैं।

शिक्षा : सीसीएल ने विद्यार्थिओं के बहुआयामी विकास के लिए 30 सरकारी स्कूलों में 54 स्मार्ट कक्षाएँ स्थापित की हैं । साथ ही कंपनी ने स्कूली बच्चों के लिए 500 डेस्क, बेंच एवं बच्चों के परिवहन के लिए 52–सीटर स्कूल बस भी उपलब्ध कराई है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए 20 आरओ युक्त सयंत्र स्थापित किया हैं। सीसीएल के इन पहलों से स्कूल में नामांकन दर में उलेखनीय वृद्धि हुई हैं और स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है।

सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण : कंपनी ने विभिन्न गाँवों में 1500 सोलर लाइट और 43 हाई मास्ट सोलर लाइट स्थापित की है। इस क्षेत्र के निवासियों के सुगम पेयजल उपलब्धता हेतु 16 सौर ऊर्जा संचालित बोरवेल का निर्माण भी किया हैं। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 20 व्यक्तियों को मोटर चालित तिपहिया साइकिल और कृत्रिम अंग प्रदान किए हैं, जिससे उनका जीवन सुगम और सुलभ हो पाया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु 35 बैटरी संचालित तिपहिया साइकिल का वितरण किया गया हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से एचएमवी प्रशिक्षण के माध्यम से कॉमर्शियल ड्राइविंग में 27 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। कर्मियों के आवासीय सुविधा हेतु एक स्मार्ट टाउनशिप का निर्माण प्रगति पर है। उपरोक्त पहल हितधारकों के कल्याण एवं समावेशी विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ये उपलब्धियाँ और सीएसआर पहल, आम्रपाली–चंद्रगुप्त ओपनकास्ट प्रोजेक्ट के परिचालन उत्कृष्टता और सामुदायिक विकास के प्रति समर्पण को प्रदर्शित करती हैं। इस प्रकार आम्रपाली–चंद्रगुप्त क्षेत्र कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री पी. एम. प्रसाद के मार्गदर्शन और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व से प्रेरित होकर, कंपनी ने देश की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के साथ – साथ श्रमिकों एवं हितधारकों के समावेशी विकास की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है।

सीसीएल ने जारी किया नया लोगो और टैगलाइन

Tagline

Fuelling Sustainable Growth

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अपना नया लोगो और टैगलाइन जारी किया है। यह लोगो कंपनी के कोयला उत्पादन के साथ साथ "सस्टेनेबल माइनिंग" को प्रदर्शित कर रहा है। कंपनी का आधिकारिक टैगलाइन "Fuelling Sustainable Growth" होगा।

यह लोगो कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस एंड पब्लिक रिलेशंस डिपार्टमेंट द्वारा इनहाउस डिजाइन किया गया है। विभागाध्यक्ष (सीसी एंड पीआर) श्री आलोक कुमार ने बताया कि अब सभी आधिकारिक कार्यों के लिए यह लोगो प्रयोग में लाया जाएगा।

ज्ञात हो कि पिछले वित्तीय वर्ष में सीसीएल ने कीर्तिमान रचते हुए रिकॉर्ड 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया था। कंपनी ने अपने निर्धारित लक्ष्य 84 मिलियन टन को पार करते हुए देश के ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सीसीएल में सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन

सरहुल मिलन समारोह के अवसर पर मंचासीन मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, राँची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. किशोर सूरीन तथा अन्य अतिथिगण

सी.सी.एल मुख्यालय राँची के "कन्वेंशन सेंटर" में दिनांक 16 अप्रैल को सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन मुख्यालय सरना समिति द्वारा किया गया।

अतिथिगणों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इसके पश्चात सरना आदी प्रार्थना प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान एवं राँची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. किशोर सूरीन उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा ने प्रकृति को समर्पित सरहुल पर्व की बधाईयाँ देते हुए कहा कि प्रकृति और जंगल झारखण्ड की पहचान है।

निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरहुल हमें पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देता है और इसके संदेशों को आत्मसात करना चाहिए। सीसीएल भी बेहतर पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत कार्य कर रहा है तथा इसी कड़ी में पर्यावरण अनुकूल खनन के साथ–साथ वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है और 9 इको पार्क को विकसित किया जायेगा।

राँची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. किशोर सूरीन ने सरहुल पर्व की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सरहुल प्राकृतिक पर्व है और आज आदिवासी समाज ही नहीं बल्कि राज्य के प्रत्येक निवासी हर्ष एवं उल्लास के साथ इस पर्व को मनाते हैं।

इस विशेष अवसर पर मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सर्वश्री अध्यक्ष सचिन कुमार, सचिव सुभाष बेदिया, पंचम मुण्डा, दशरथ उरांव, सनोज एक्का, सोहित बेदिया आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इंतजार करने वाले को उतना ही मिलता है
जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।
– डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

इको फ्रेंडली और सस्टेनेबल माइनिंग के लिए प्रतिबद्ध सीसीएल

झारखंड स्थित सीसीएल अपने विभिन्न गतिविधियों द्वारा राष्ट्र के ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्रति कृत संकल्पित है। कंपनी ने हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023 –2024 के लिए अपने निर्धारित 84 मिलियन टन के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त कर कुल 86.01 मिलियन टन कोयल का उत्पादन किया है।

झारखंड की आठ जिलों में फैली कंपनी के खनन क्षेत्र में सस्टेनेबल एवं पर्यावरण अनुकूल खनन तरीकों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सीसीएल की खदानें सर्वोत्तम टिकाऊ खनन का प्रतिनिधित्व करती हैं। कंपनी विभिन्न आधुनिक तकनीकों एवं नवाचार का इस्तेमाल कर न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी ला रही है, अपितु संसाधन एवं ऊर्जा की बचत भी कर रही है। कंपनी का उद्देश्य पर्यावरण और सामुदायिक विकास के लिए सकारात्मक बदलाव हेतु खनन को एक साधन के रूप में प्रयोग करना है।

हेवी मशीनों का प्रयोग : सीसीएल में विभिन्न हेवी मशीनों का उपयोग कर न केवल उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जा रहा है बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी लाने का सार्थक और सफल प्रयास कर रही है। इसमें सरफेस माइनर, ड्रैगलाइन इत्यादि मशीनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरफेस माइनर के प्रयोग से ब्लास्टिंग, क्रशिंग इत्यादि की आवश्यकता नहीं रहती, जिससे पर्यावरण प्रदूषण में कमी आती है।

कोल हैंडलिंग प्लांट : फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी की दिशा में कोल हैंडलिंग प्लांट एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे सीसीएल के कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को निकटतम रेलवे सर्किट तक ले जाया जाता है, जिसके फलस्वरूप कोयला को देश भर में ताप विद्युत संयंत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं तक आसानी से कम समय में पहुँचाने में मदद मिलती है। पूर्व में, इन खानों से कोयला टिपर द्वारा सड़क मार्ग से रेलवे साइडिंग तक लाया जाता था।

इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, कोयला भंडारण, बंकर और कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं, जिनकी सहायता से कोयले को साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा। इस प्लांट के आरंभ हो जाने से सड़क मार्ग से कोयले का यातायात कम होगा जिससे धूल जनित प्रदूषण न्यून हो जाएगा।

मोबाइल स्प्रिंकलर : खनन क्षेत्रों में कंपनी धूल के कणों को नियंत्रित करने के लिए मोबाइल स्प्रिंकलर का उपयोग कर रही है। लगभग सभी खुली खदानों में बड़ी क्षमता वाले मोबाइल स्प्रिंकलर हैं। 28 KL क्षमता के 61 मोबाइल स्प्रिंकलर तैनात किए गए हैं । सीसीएल ने वर्तमान में मिस्ट टाइप (Mist) के स्प्रिंकलर खरीदने की पहल की है, जो तकनीकी रूप से सामान्य स्प्रिंकलर से बेहतर हैं। इसी प्रकार, धूल नियंत्रण के लिए 27 ट्रॉली माउंटेड फॉग कैनन भी तैनात किए गए हैं।

सीसीएल ने नेट जीरो कार्बन एमिशन के लिए 2026 तक 425 मेगावाट सोलर पावर प्लांट बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 20 मेगावाट सोलर प्लांट पिपरवार क्षेत्र में बन रहा है। हरित आवरण के वृद्धि के लिए सीसीएल द्वारा वर्ष 2023 में 231 हेक्टेयर से अधिक भूमि में पौधारोपण किया गया है। साथ ही एक नई पहल के रूप में रजरप्पा क्षेत्र में मियावाकी विधि से वृक्षारोपण किया गया है।

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित

जस्टिस श्री एस एन पाठक मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि जस्टिस श्री एस एन पाठक, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण

सीसीएल मुख्यालय, राँची के कन्वेंशन सेंटर में "Empowering HR for Embracing New Technology for Sustainable Development" विषय पर इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय (19 और 20 अप्रैल, 2024) पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित की गयी, जिसका उद्घाटन दिनांक 19 अप्रैल को किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश डॉ. एस एन पाठक, विशिष्ट अतिथि श्री अतुल तिवारी, आई.ए.एस., और सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग, भारत सरकार थे। साथ ही सम्मेलन के आयोजन समिति के अध्यक्ष निदेशक (कार्मिक), सीसीएल, श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार मुख्य मार्गदर्शक के रूप में श्री एन.के. ओझा, पूर्व कार्यकारी निदेशक एवं प्रभारी आईआईसीएम, राँची और श्री एम. के. गुप्ता, प्रिंसिपल, जेजीटीसी इस सम्मेलन के संयोजक के रूप में उपस्थित थे। आईएसटीडी गणमान्यों में प्रो. एन. संबाशिव राव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री एन. पैनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, आईएसटीडी, श्री प्रमोद कुमार साहू क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, ईएसआर एवं श्री महेश गुप्ता अध्यक्ष, आईएसटीडी राँची चैप्टर उपस्थित थे।

अपने स्वागत संबोधन में श्री हर्ष नाथ मिश्र ने कहा की किसी भी संगठन के उन्नयन में मानव संसाधन के अति महत्वपूर्ण भूमिका होती है उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान युग मैन बिहाइंड मशीन से मशीन बिहाइंड मशीन के रूप में परिवर्तित हो रहा है।

मुख्य अतिथि जस्टिस श्री पाठक ने मानव संसाधन में एआई (AI) के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग करके रिज्यूम एवं आवेदनों को बेहतर एवं वस्तुनिष्ठ ढंग से विश्ले. षित किया जा सकता है।

श्री अतुल तिवारी ने आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर्मियों के कौशल विकास में करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कार्यालय के कार्यों में आधुनिक सॉफ्टवेयर के प्रयोग से डाटा प्रोसेसिंग तथा कार्य निष्पादन में मदद मिल रही है।

इस दो – दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन के कुछ प्रतिष्ठित वक्ताओं में पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मानव संसाधन, लार्सन एंड टुब्रो और वर्तमान में सीईओ और एमडी, एल एंड टी लिमिटेड के सलाहकार., श्री विद्यानंद झा, आईआईएम कोलकाता के प्रोफेसर और श्री उत्तम लाल,

निदेशक कार्मिक, एनएचपीसी के अलावे और भी अनेक गणमान्य वक्ता शामिल थे।

इस सम्मेलन के उप–विषय जिन पर प्रख्यात वक्ता अपना भाषण दिये, वे थे : (क) टैलेंट प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन (ख) कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानव संसाधनों में प्रौद्योगिकी के नए आयाम, और (ग) स्थिरता और प्रतिपादक विकास।

इस पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन के उप–विषय और वक्ताओं के ज्ञानवर्धक भाषण प्रतिभागियों को देश और दुनिया भर के उद्योगों में हो रहे हालिया विकास से अवगत रखने में मदद किया। इससे प्रतिभागियों को काफी फायदा हुआ।

कार्यक्रम के दूसरे दिन कांफ्रेंस तीन सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में प्रतिभा प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन (Managing HR Excellence through Talent Management) पर चर्चा हुई। इस सत्र के समन्वयक पूर्व महाप्रबंधक, सेल, डॉ. हरिहरन थे।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी), मेकॉन श्री अमित राज ने की। इस सत्र में मानव संसाधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के नए आयाम (Artificial intelligence and new vistas of technology in human resource) पर चर्चा हुई।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता पूर्व सीएमडी, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, श्री अरुण कुमार शुक्ल ने की। इस सत्र का विषय "Sustainability and Exponential Growth" था।

कार्यक्रम के अंत में समापन समारोह में झारखण्ड टेक्निकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी. के. सिंह, राष्ट्रीय ट्रेजरर, आईएसटीडी, श्री एन. पाणी एवं निदेशक (कार्मिक), सीसीएल श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित थे।

श्री हर्ष नाथ मिश्र ने सभी वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन का उद्देश्य मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। सभी प्रतिभागियों को इस दो दिवसीय सम्मेलन के व्याख्यान एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण से निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकों के इस्तेमाल के बावजूद भी सफलता हेतु ह्यूमन टच जरूरी है।

इस सम्मेलन में विभिन्न कंपनियों के प्रतिभागियों एवं राँची के शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने शिरकत की।

मुख्यालय में लीगल विभाग द्वारा रॉयल्टी विवादों से निपटारा हेतु एक कार्यशाला आयोजित

दिनांक 20.04.2024 को सीसीएल मुख्यालय में लीगल विभाग द्वारा रॉयल्टी विवादों से निपटने पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

माननीय निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र और निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहान इस अवसर पर उपस्थित थे। झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एके दास मुख्य वक्ता थे।

कार्यशाला में वॉशरी परियोजना अधिकारियों ने अपनी टीम और विपणन एवं बिक्री, वित्त और कानूनी विभाग के अधिकारियों के साथ भाग लिया।

कार्यशाला में श्री. एके दास ने रॉयल्टी के भुगतान की कानूनी प्रक्रिया को स्पष्ट किया और इंटरैक्टिव सत्र में गलतफहमी और संदेह को स्पष्ट किया।

कार्यशाला में उपस्थित सभी को सम्बोधित करते निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

कार्यशाला में स्पष्ट किए गए कुछ महत्वपूर्ण पहलू इस प्रकार हैं :

- धुले हुए कोयले पर रॉयल्टी केवल उसी स्थिति में देय है, जहाँ वॉशरी राज्य सरकार से पट्टे पर ली गई भूमि पर स्थित है और चर्चा में यह बात सामने आई कि सीसीएल अधिकारियों द्वारा गलत बयानी के कारण, डीएमओ ने ऐसी वॉशरी द्वारा देय रॉयल्टी का आदेश दिया। ऐसे आदेशों को चुनौती दी जानी चाहिए।
- एमएमडीआर अधिनियम की धारा 18 के तहत देय राशि रॉयल्टी नहीं है, भले ही देय राशि रॉयल्टी की राशि के बराबर हो। इसलिए डेड रेंट और सरफेस रेंट उन खदानों पर लागू नहीं हो सकता जो ऐसी जमीन पर चल रही हैं जो राज्य सरकार से पट्टे पर नहीं है।
- सीबीए अधिनियम के तहत अर्जित भूमि से संबंधित रॉयल्टी और सतह/अतिरिक्त किराए पर ब्याज की मांग के संबंध में प्रमाणपत्र कार्यवाही बनाए रखने योग्य नहीं है। सीसीएल को बिहार एवं उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत लंबित प्रमाण पत्र कार्यवाही पर प्रमाण पत्र अधिकारी के समक्ष गैर–धारणीयता की आपत्ति उठानी चाहिए।
- चालान पर खनिज के लिए अलग–अलग मूल्य और खनिज के लाभकारी मूल्य को प्रतिबिंबित करके, सीसीएल रॉयल्टी पर करोड़ों रुपये बचा सकता है क्योंकि यह खनिज के मूल्य (रन ऑफ माइन कोयले) पर देय है, न कि संसाधित कोयले पर।

कार्यशाला का एक दृश्य

जो कुछ भी
तुमको कमजोर बनाता है –
शारीरिक, बौद्धिक या मानसिक
उसे जहर की तरह त्याग दो

– स्वामी विवेकानंद

सेवानिवृत्त हो रहे 43 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

सम्मान–सह–विदाई समारोह का एक दृश्य

दिनांक 30 अप्रैल को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे 3 कर्मियों – डॉ. छाया रानी, सीएमओ, गांधीनगर अस्पताल, श्री अमर नाथ झा, वरीय पीए, ए–1, सीएमसी विभाग एवं श्री सूरज महतो, हेड सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी विभाग को सीसीएल की ओर से एक "सम्मान– सह – विदाई समारोह" का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री राजीव सिंह, सीएमएस, सीसीएल, डॉ. सुमन सिंह, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक), कल्याण विभाग श्रीमती केया मुखर्जी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष/महाप्रबंधक एवं सेवा निवृत्त कर्मियों के परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि अप्रैल माह में सीसीएल मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 43 कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीसीएल के सभी क्षेत्र में भी इस तरह का आयोजन किया जा रहा है।

महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री राजीव सिंह सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को सेवाकाल के सफल समापन पर बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के योगदान के फलस्वरूप कंपनी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। श्री सिंह ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के जीवन के दूसरी पाली के लिए शुभकामनाएँ दी।

अवसर विशेष पर सीएमएस, सीसीएल, डॉ. सुमन सिंह ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि द्वितीय पाली में आप ज्यादा से ज्यादा परिवार को समय दें और अपनी पसंद का कार्य करें।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (विडियो क्लिप) प्रदर्शित किया गया। इस वीडियो में कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को विडियो के माध्यम से साझा किया। सभी 3 सेवानिवृत्त कर्मियों ने कंपनी के प्रति शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी हमारे पूरे सेवा काल में जीवन का एक अभिन्न अंग रही है।

सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्य प्रबंधक (कार्मिक), कल्याण विभाग श्रीमती केया मुखर्जी ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों का विशेष योगदान रहा।

समाचार पत्रों में सीसीएल

सीसीएल राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध : डॉ वीरा रेड्डी

नवीन मेल संवाददाता

सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 86.1 मिलियन टन कोयले का किया उत्पादन

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्धारित वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन को प्राप्त करते हुए 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। इसी तरह, कंपनी ने डिस्पैच और ओवर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) में भी क्रमशः 82.8 एमटी और 121.4 एमक्यूएम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। सीसीएल ने 2023-24 वित्तीय वर्ष में सभी मापदंडों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है। बिजली संयंत्रों को सीसीएल का प्रेषण में 67 मिलियन टन के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए 69.1 मिलियन टन तक पहुंच गया। प्रेषण में 7% की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी का पूंजीगत व्यय 50% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2314 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए लगभग 3641 करोड़ रुपये हुआ है। कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के भविष्यवादी दृष्टिकोण से प्रेरित तथा कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद के मार्गदर्शन और डॉ बी. वीरा रेड्डी, सीएमडी, सीसीएल के नेतृत्व और झारखंड सरकार और हितधारकों, विशेष रूप से ग्रामीणों और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के सक्रिय समर्थन से, कंपनी ने राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

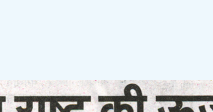

कंपनी के सभी निदेशकों, हर्ष नाथ मिश्र, पवन मिश्रा, हरीश दुहान, सतीश झा और सीवीओ, सीसीएल पंकज कुमार ने इस उपलब्धि के लिए सीएमडी, सीसीएल को बधाई दी। सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी सहित सभी निदेशकों ने इस लक्ष्य हासिल करने तथा अच्छा प्रदर्शन और योगदान के लिए सीसीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को बधाई दी। सीएमडी, सीसीएल ने कहा कि कंपनी सतत खनन कर राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोयला उत्पादन की गति को बनाए रखने के लिए, सीसीएल के सीएमडी सहित सभी निदेशकगण, महाप्रबंधकों, विभागाध्यक्षों ने खनन क्षेत्रों का दौरा किया और उपस्थित कर्मियों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कोयला उत्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति को बनाए रखने के लिए खनन क्षेत्रों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को उत्पादन दिवस के रूप में मनाया जाता था। ज्ञात हो कि सीसीएल का खनन क्षेत्र झारखंड के आठ जिलों यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गिरिडीह, चतरा, पलामू और लातेहार में फैले हुए हैं।

सीसीएल पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कई पहल कर रही है। नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पन्न करने के लिए पिपरवार क्षेत्र में 20 मेगावाट और गिरिडीह में 4 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। वाहन प्रदूषण को कम करने के प्रयास में कंपनी में तैंतीस ई-वाहन तैनात किए गए हैं।

आम्रपाली ने किया 226 लाख टन कोयला उत्पादन

देशप्राण संवाददाता

पिपरवार : सीसीएल के आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023 2024 में 226 लाख टन कोयला का उत्पादन कर करीब 1700 करोड रुपए का मुनाफा अर्जित कर एक नया इतिहास रचा है। इसके साथ ही 228 लाख घन मीटर अब का उत्पादन किया है और 221 लाख टन कोयला का डिस्पैच किया है आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र के महाप्रबंधक अमरेश कुमार ने कहा कोई कोयला उत्पादन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का श्रेय सीसीएल सीएमडी डॉक्टर बीर रेडी के कुशल निर्देश डॉक्टर डायरेक्टर के कुशल मार्गदर्शन क्षेत्र। क्षेत्र एवं प्रोजेक्ट के सभी अधिकारियों कर्मचारियों स्ट्राइक होल्डर विस्थापित प्रभावित ग्रामीण ठेका मजदूर यूनियन प्रतिनिधि ग्राम प्रतिनिधि को दिया है।

सीसीएल का नया लोगो और टैगलाइन जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

Tagline

Fuelling Sustainable Growth

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अपना नया लोगो और टैगलाइन जारी किया है। यह लोगो कंपनी कोयला उत्पादन के साथ साथ सस्टेनेबल माइनिंग को प्रदर्शित कर रहा है। यह कंपनी का आधिकारिक टैगलाइन होगा। यह लोगो कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस और पब्लिक रिलेशंस डिपार्टमेंट द्वारा इनहाउस डिजाइन किया गया है। विभागाध्यक्ष (सीसी और पीआर) आलोक कुमार ने बताया कि आज से सभी आधिकारिक कार्यों के लिए यह लोगो प्रयोग में लाया जाएगा।

ज्ञात हो कि पिछले वित्तीय वर्ष में सीसीएल ने कीर्तिमान रचते हुए रिकॉर्ड 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया था। कंपनी ने अपने निर्धारित लक्ष्य 84 मिलियन टन को पार करते हुए देश के ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

CCL ensures reduction in carbon footprint

PNS : RANCHI

Central Coalfields Limited (CCL), the Jharkhand-based subsidiary of Coal India Limited, is committed to conduct mining business by conserving resources and adopting eco-friendly alternatives.

The company has embraced sustainable practices to prioritize environmental consciousness in operation and decision-making processes. Besides, the company has been investing in green technologies and strive to minimize environmental impact throughout its value-chain.

The company is mitigating impacts on air pollution at source while carrying out mining activities by deploying surface miners and transporting mainly through railway rakes to the power plants situated in different states of the country.

Aligning with global commitment of reducing carbon footprint in phase-wise, CCL has ventured into domain of surface miners for coal mining activities instead of shovel dumber system. These surface miners have eliminated the need of drilling, blasting and crushing of coal, which were considered source for creating pollution. More than 15 surface miners have been deployed in mines of the company for extracting coal in various areas of the company.

Similarly, drilling in mine areas is also believed to create air pollutants. The company showing its commitment towards environment, around 112 numbers of drills are provided with dust extractors / wet drilling technologies.

At mining sites, the company is using mobile sprinklers to control dust particles. Almost, all the opencast mines have large capacity mobile sprinklers. Sixty-one mobile sprinklers of 28 KL capacity have been deployed and now CCL has taken an initiative to procure only mist type of sprinklers which are technologically superior to normal sprinklers. It is to be noted that 22 mist type sprinklers of 28 KL capacity have already been deployed where mining activities are carried out.

Similarly, 27 numbers of trolley mounted fog canons have been deployed for dust suppression. Installation of 28 number of PM10 analyzers, the advanced air pollution monitoring device that is designed to detect and measure the concentration of air particles.

Along with this, CCL aims to create 425 MW of solar power plants by 2026 for net zero carbon emissions, including 20 MW being built in the Piparwar area. To boost green cover, CCL planted around 231 hectares of land in 2023. In addition, as a novel project, plantation has been carried out in the Rajrappa area using the Miyawaki method. CCL is not only ensuring energy security to the country but also contributed immensely to bring smile to the grassroot fellow citizens and stakeholders in and around the mines.

अशोक परियोजना ने 500 करोड़ का मुनाफा कमाया

पिपरवार : सीसीएल पर सीसीएल पिपरवार क्षेत्र की अशोक परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2023 24 में अपने कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करते हुए 98 लाख 53767 कोयला का उत्पादन कर करीब 500 करोड़ का मुनाफा अर्जित किया है। जानकारी के अनुसार अशोक परियोजना को 75 लाख टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य दिया गया था जिसे अशोक परियोजना ने 45 दिन पहले ही पूरा कर लिया था वित्तीय वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अपने कोयला उत्पादन। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अपने कोयला उत्पादन के कर्म को जारी रखते हुए 31 मार्च तक 98 लाख 53767। टन कोयला का उत्पादन किया गया साथ ही अब के 10 मिलियन घन मीटर के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करते हुए 11 मिलियन से अधिक वह भी का उत्पादन किया और 100000 तन से अधिक कोयले का डिस्पैच किया कोयला का डिस्पैच की रेलवे रैक और रोड सेल के माध्यम से किया गया अशोक परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार ने कोयला उत्पादन लक्ष्य से कोयला का उत्पादन और डिस्पैच करने का श्रेय सीसीएल के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक डॉक्टर बी वीरा रेड्डी के कुशल निर्देशन निर्देश और सीसीएल के सभी डायरेक्टर पिपरवार क्षेत्र के महाप्राण। सीबी सहाय के कुशल मार्गदर्शन के साथ पिपरवार क्षेत्र व अशोक परियोजना के अधिकारी कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधि विस्थापित प्रभावित ग्रामीण स्टेट होल्डर असंगठित मजदूर समेत अप्रोच और अप्रोच रूप से सहयोग करने वालों को दिया।

Coal output from captive and commercial mines at new rec

TOTAL PRODUCTION. Nationwide output at 147.2 MT, power sector captive mine

Our Bureau
New Delhi

The cumulative coal production from captive and commercial mines rose by a healthy 27 per cent y-o-y to hit a record 147.2 million tonnes (MT) in the last financial year.

Besides, the dispatch of the critical commodity during FY24 also rose by 30 per cent y-o-y to 143 MT, against 110 MT during FY23.

STRIKING A RICH VEIN. Commercial mining has surged by 93%, reaching 17.5 MT in 2023-24 from 9.07 MT in 2022-23 REUTERS

TOTAL OUTPUT

Out of the total production of 147.2 MT, power sector captive mines produced around 121.3 MT, while captive mines of the non-power sector produced 8.4 MT. The production growth in power sector captive mines compared with the previous year is 19 per cent; it is 63 per cent in non-power captive mines.

Coal production from commercial mines stood at 17.5 MT in FY24. Commercial coal mines played an important role with a growth of 93 per cent compared with 9.1 MT during FY23.

"In a testament to India's coal sector's exponential growth, production from commercial coal mines has surged by an impressive 93 per cent, reaching 17.5 MT in 2023-24 from 9.07 MT in 2022-23. Additionally, production from captive and commercial coal mines has seen a robust 27 per cent growth, reaching 147.2 MT in 2023-24 from 116 MT in 2022-23. These milestones underscore the sector's remarkable expansion and the nation's commitment to energy self-sufficiency," Coal Minister Pralhad Joshi said.

OPERATIONAL MINES

As of March 2024, a total of 58 coal mines are under production whereas 49 mines were producing a year-ago. Nine new coal mines commenced ... FY24 wh... captive m... mercial c...

Till da... with a P... (PRC) of... lion to... (MTPA) ... fully a... these, v... been is... mines (... mines (... PRC of ... already commenced the coal production.

The early operationalisation of these mines not only reflects the success of the commercial coal regime in attracting investments but also underscores its ability to expedite project execution, the Coal Ministry said.

Pplayers that have started coal production from commercial mines include Jindal Steel and Power Sarda Energy and Mineral Boulder Stone Mart and Aurobindo Realty and Infra, the ministry added.

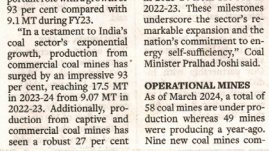

सीसीएल मुख्यालय में आईएसटीडी का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन संपन्न

राष्ट्रीय सागर संवाददाता ... रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया। इस सत्र

सीसीएल की चार खदानों को फाइव, तीन को फोर स्टार रेटिंग

- 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर कोयला मंत्रालय ने जारी की रेटिंग

मनोज सिंह, रांची

कोयला मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर देश के सभी कोयला और लिग्नाइट खनन क्षेत्रों की रेटिंग जारी की है. तीन कैटेगरी (अंडरग्राउंड, ओपेन और मिक्स) में रेटिंग जारी की गयी है. ओपेन खदान कैटेगरी में सीसीएल की चार खदानों को फाइव व तीन खदानों को फोर स्टार रेटिंग दी गयी है. कंपनी ने ओपेन कास्ट श्रेणी में कुल 216 खदानों को शामिल किया है. अंडर ग्राउंड माइंस में 150 तथा मिक्स में 14 खदानों को शामिल किया गया है. अंडर ग्राउंड माइंस में ढोरी खास को फोर स्टार तथा गोविंदपुर माइंस को थ्री स्टार रेटिंग दी गयी है. केदला और ढोरी खास को एक-एक स्टार रेटिंग दी गयी है.

दो दर्जन खदानों को थ्री स्टार : सीसीएल की करीब दो दर्जन खदानों को थ्री स्टार रेटिंग दी गयी है. इनको 80 फीसदी या इससे कम अंक मिले हैं. सीसीएल से थ्री स्टार पाने वाली ओपेन कास्ट खदानों में उरीमारी, झारखंड, कोनार एक्सपेंशन, तोपा, गिद्दी, गोविंदपुर फेज-2, तापिन साउथ, सयाल डी ओसीपी, करमा ओसीपी, गिद्दी सी, रजरप्पा, तापिन नॉर्थ, डकरा बुकुबुका, जारंगडीह व केडीएच शामिल हैं. इनको 70 फीसदी से अधिक अंक मिले हैं. परेज इस्ट, बोकारो, रोहिणी, रेलीगढ़ा, कथारा, पुरनाडीह, गिरिडीह, तेतरियाखार, कारो एक्सपेंशन को टू स्टार रेटिंग मिली है. वहीं, सिरका, राजहरा और केदला खदान को एक स्टार रेटिंग दी गयी है.

अशोका, आम्रपाली व मगध को फाइव स्टार

कोयला मंत्रालय ने सीसीएल के अशोका, बिरसा, आम्रपाली और मगध प्रोजेक्ट को फाइव स्टार रेटिंग दी है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन खदानों ने लक्ष्य से अधिक कोयला का उत्पादन किया है. कंपनी के भुरकुंडा, ढोरी और उरीमारी खदान को फोर स्टार रेटिंग दी गयी है. अशोका व बिरसा प्रोजेक्ट को 92 फीसदी व मगध प्रोजेक्ट को 91 फीसदी अंक मिला है. फोर स्टार पाने वाले भुरकुंडा को 85, ढोरी को 81, उरीमारी को 80 फीसदी अंक दिया गया है.

सबसे अच्छी रेटिंग एनसीएल को : मंत्रालय ने 32 खदानों को फाइव स्टार रेटिंग में शामिल किया है. इसमें एनसीएल की सबसे अच्छी रेटिंग है. इनमें एनसीएल की करीब आधा दर्जन से अधिक खदानें शामिल हैं. कोल इंडिया में उत्पादन मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन एनसीएल ने किया है.

उत्पादन लक्ष्य के पार जाने में सीसीएल का सारथी बना आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र

कमांड क्षेत्रों के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की पहल

सिटी रिपोर्टर | रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रमुख कोयला खनन क्षेत्रों में से एक आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र है। यह झारखंड के चतरा जिले में स्थित है। इसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएं हैं। इसमें चंद्रगुप्त परियोजना का परिचालन शुरू होना बाकी है। वित्त वर्ष 2023-24 में इस क्षेत्र ने 22.58 मिलियन टन का कोयला उत्पादन कर सीसीएल को अपने निर्धारित लक्ष्य को पार करने में बहुमूल्य योगदान दिया। साथ ही, 28.58 मिलियन क्यूबिक मीटर का ओवर बर्डन रिमूवल और 21.67 मिलियन टन कोयले का प्रेषण भी किया है।

ज्ञात हो कि सीसीएल झारखंड सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व का योगदान देती है। यह क्षेत्र राज्य और देश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 एमटी कोयले का भंडार है। दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 एमटी कोयले का भंडार है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए परियोजना का उत्पादन लक्ष्य 24 मिलियन टन रखा गया है। यह परियोजना न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करते हुए अधिकतम कोयला उत्पादन करने में सफल रही है। दोनों क्षेत्रों के आसपास निवास करने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए भी सीसीएल कई योजनाओं पर काम कर रही है।

सीसीएल मुख्यालय में आईएसटीडी का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन

एआई के प्रयोग से बेहतर विलेषण संभव : जस्टिस पाठक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सीसीएल मुख्यालय, रांची के कन्वेंशन सेंटर में 'एमपावरिंग एचआर फॉर एमब्रेसिंग न्यू टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक, विशिष्ट अतिथि अतुल तिवारी, आईएएस, और सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग, भारत सरकार थे। आईआईएम, रांची इस मेगा इवेंट का नॉलेज पार्टनर है। इस सम्मेलन का समापन शनिवार (20 अप्रैल) को होगा। स्वागत संबोधन में आयोजन समिति के अध्यक्ष हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक, कार्मिक, सीसीएल ने कहा की किसी भी संगठन के उन्नयन में मानव संसाधन के अति महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग मैन बिहाइंड मशीन से मशीन बिहाइंड मशीन के रूप में परिवर्तित हो रहा है। मुख्य अतिथि जस्टिस एसएन पाठक ने मानव संसाधन में एआई के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग करके रिज्यूम में एवं आवेदनों को बेहतर एवं वस्तुनिष्ठ धन-ढंग से विश्लेषित किया जा सकता है। मेधावी कर्मी के चयन में बेहतरी आएगी।

अतुल तिवारी ने आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर्मियों के कौशल विकास में करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कार्यालय के कार्यों में आधुनिक सॉफ्टवेयर के प्रयोग से डाटा प्रॉसेसिंग तथा कार्य निष्पादन में मदद मिल रही है।

बताते चलें कि इंडस्ट्री और शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रख्यात वक्ता इस विषय के तीन उप-विषयों पर अपना भाषण देंगे, जो इस सम्मेलन में भाग लेने वाले दर्शकों को प्रबुद्ध करेगा। साथ ही, कार्यरत मानव संसाधन पेशेवरों और शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों और एमबीए के छात्रों के लिए अत्यधिक फायदेमंद होगा।

सीसीएल में सरहुल मिलन समारोह आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : सीसीएल मुख्यालय रांची के कन्वेंशन सेंटर में 16 अप्रैल को सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन मुख्यालय सरना समिति द्वारा किया गया। अतिथिगणों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इसके पश्चात सरना आदी प्रार्थना प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त), पवन कुमार मिश्रा थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (कार्मिक), हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहान एवं रांची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर, डॉ. किशोर सूरीन उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि निदेशक (वित्त), पवन कुमार मिश्रा ने प्रकृति को समर्पित सरहुल पर्व की बधाईयां देते हुए कहा कि प्रकृति और जंगल झारखण्ड की पहचान है। निदेशक (कार्मिक), हर्ष नाथ मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरहुल हमें पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देता है और इसके संदेशों को आत्मसात करना चाहिए। सीसीएल भी बेहतर पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत कार्य कर रहा है तथा इसी कड़ी में पर्यावरण अनुकूल खनन के साथ-साथ वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है और 9 इको पार्क को विकसित किया जायेगा। रांची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर, डॉ. किशोर सूरीन ने सरहुल पर्व की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सरहुल प्राकतिक पर्व है और आज आदिवासी समाज ही नहीं राज्य के प्रत्येक निवासी हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाते हैं। इस विशेष अवसर पर मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सर्वश्री अध्यक्ष सचिन कुमार, सचिव सुभाष बेदिया, पंचम मुण्डा, दशरथ उरांव, सनोज एक्का, सोहित बेदिया आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंत्रालय का आकलन : 43 हजार मिलियन टन कोयला निकाला जा सकता है देश में

मुख्य संवाददाता, रांची

भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने कोल रिजर्व की स्थिति का आकलन कराया है. इसके अनुसार देश में करीब 43 हजार मिलियन टन कोयला निकाला जा सकता है. भारत सरकार के निर्देश के बाद सीएमपीडीआइ के सीएमडी की अध्यक्षता में कमेटी बनायी गयी थी. कमेटी ने रिपोर्ट तैयार कर भारत सरकार को सौंप दी है. कमेटी में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के उप-महानिदेशक, ... सीसीटी सेक्शन कोयला मंत्रालय के निदेशक सदस्य सचिव थे. इनको अलग-अलग स्थिति में कोयला निकालने की संभावना पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया था.

600 मीटर से अधिक की गहराई से कोयला निकालना संभव नहीं ... है. कोयला निकालने के दौरान इको सेंसेटिव जोन और बड़ी आबादी वाले शहर से भी कोयला निकालना संभव नहीं है. टीम के सदस्यों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देश में करीब 43 हजार मिलियन टन कोयला विभिन्न स्थिति में निकालने योग्य है.

ओपेन कास्ट और यूजी में निकालने की अलग-अलग विधि : रिपोर्ट के अनुसार, ओपेन कास्ट से कुल रिजर्व का किसी भी खदान में 46 से 70% कोयला निकाला जा सकता है. इसकी गहराई 200 से 300 मीटर होती है. ...

सोशल मीडिया में सीसीएल

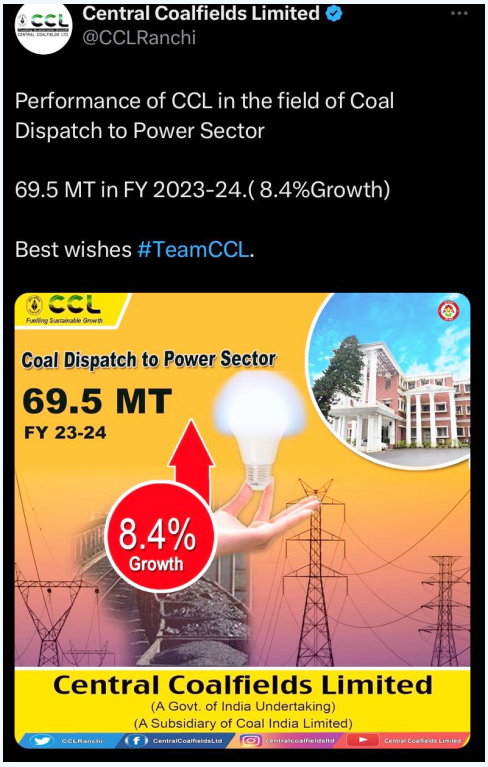

(आंतरिक वितरण हेतु सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित)
सम्पादक : आलोक कुमार, विभागाध्यक्ष, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, उप प्रबंधक (जनसम्पर्क), मयंक कश्यप, उप प्रबंधक (सीडी), मनीष कुमार तिवारी, एमटी, जनसम्पर्क विभाग